श्री विष्णु देव साय जी
माननीय मुख्य मंत्री

छत्तीसगढ़ शासन
जल संसाधन विभाग

पत्रकारवार्ता

श्री राजेश सुकुमार टोप्पो
सचिव, जल संसाधन विभाग

विगत 2 वर्ष की उपलब्धियां

शासन के मंशा के अनुरूप विभाग का मूल दायित्व जल संरक्षण एवं संवर्धन करते हुए प्रदेश में सिंचाई क्षमता का विकास कर अधिक से अधिक कृषकों तक सिंचाई का लाभ पहुंचाना होता है।जल एक महत्वपूर्ण एवं मूल्यवान संसाधन है। जिसके बिना जीवन की कल्पना नही की जा सकती है। जल संसाधन विभाग प्रदेश के सर्वांगींण विकास में जल के संरक्षण एवं प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने तथा राज्य में कृषि, पेयजल निस्तारी एवं आद्योगिक प्रयोजन हेतु जल की आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है।

विभाग का मूल दायित्व न केवल प्रदेश में सिंचाई क्षमता का विकास करना है बल्कि बहुमूल्य जल संसाधनों के संरक्षण, संवर्धन एवं नवीन योजनाओं का सर्वेक्षण, निर्माण एवं निर्मित संसाधनों का रख रखाव करना भी है। साथ ही बाढ़ नियंत्रण की योजनाए बनाना एवं जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न परिस्थितियों का आंकलन कर जल संवर्धन योजनाए प्रस्तावित करना भी शामिल है।

प्रमुख उपलब्धियां:-

- सिंचाई क्षमता में वृद्धिः- छत्तीसगढ़ जल संसाधन वे पिछले दो वर्षो सिंचाई क्षमता 25000 हेक्टयर की वृद्धि हासिल की है जिसमें कुल विकसित सिंचाई क्षमता 2176000 हेक्टर हो गई है।
- जल संचयन और संरक्षणः- जल शक्ति अभियान ''कैच द रेन'' - इस अभियान के तहत केन्द्र शासन द्वारा जल संचय जन भागीदारी पुरस्कार'' शुरू किये गये है जो समुदाय संचालित जल संरक्षण प्रयासो को सम्मानित करते हैं।

जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर छठे राष्ट्रीय जल संचय जन भागीदारी ''श्रेणी में भी छत्तीसगढ़ को उत्कृष्ठ राज्य शासन द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। वही नगरी निकाय श्रेणी में रायपुर नगर निगम को प्रथम स्थान मिला। इसके अलावा पूर्वी जोन के जिलों में विभिन्न श्रेणियों में बालोद, राजनांदगांव, रायपुर, महासमुन्द, बलोदाबाजार, गरियाबंद, बिलासपुर एवं रायगढ़ को भी जल संचय जन भागीदारी अवार्ड से सम्मानित किया गया।

- प्रतियोगिताएः- जल संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए जल संरक्षण 2.0 पर सफलता की महाती जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई ।

पिछले दो वर्षो में जल संसाधन विभाग की उपलब्धियों में सिंचाई क्षमता में 25000 हेक्टेयर की वृद्धि और राष्ट्रीय स्तर पर जल संरक्षण के लिए विभिन्न अभियान और पुरस्कार शामिल है। ये उपलब्धियां जल संरक्षण, संचयन और बेहतर जल प्रबंधन के प्रति सरकार के प्रयासो को दर्शाती है।

इसके अतिरिक्त विभाग की अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियां:-

- राज्य में 73,601 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधायें के विस्तार/पुर्नस्थापन हेतु 477 योजनाओं हेतु राशि रु. 1874.87 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई।
- विशेष केन्द्रीय सहायता के तहत् राज्य गठन 2000 के बाद प्रथम बार विगत वर्ष 896 करोड़ की केन्द्रीय सहायता प्राप्त कर कार्य कराया गया।
- आवर्धन जल प्रदाय योजना/जल जीवन मिशन/अमृत मिशन के अन्तर्गत 18 औद्योगिक संस्थानों को 12.80 मि.घ.मी. एवं पेयजल हेतु 43.30 मि.घ.मी. वार्षिक जल आबंटित किया गया है।
- वर्ष 2024-25 में खरीफ एवं रबी सिंचाई 16,53,933 हेक्टेयर हेतु निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध 14,52,477 हेक्टेयर क्षेत्रमें सिंचाई की गई जो लक्ष्य का 87.82% उपलब्धि रही।
- वित्तीय वर्ष 2024-25 में सिंचाई योजनाओं के निर्माण हेतु कृषकों की अधिग्रहित की जाने वाली भूमि का वर्षों से लंबित मुआवजा भुगतान हेतु 400 करोड़ से ज्यादा राशि का भुगतान तथा सिंचाई योजनाओं के निर्माण हेतु अधिग्रहित की जाने वाली वनभूमि का वर्षों से लंबित मुआवजा भुगतान हेतु रु. 100 करोड़ से ज्यादा राशि का भुगतान किया गया जिसमें वन प्रभावित सिंचाई योजनाओं के निर्माण में गति आयी है।
- बस्तर अंचल में सिंचाई संसाधनों के विकास को गति देने जगदलपुर में मुख्य अभियंता कार्यालय हेतु 36 पदों की स्वीकृति प्राप्त कर माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा कार्यालय का शुभारंभ दिनांक 15.04.2025 को किया गया।
- विभाग में 83 सहायक अभियंताओं की नियुक्ति की गई है।
- बांध सुरक्षा पुर्नवास परियोजना (ड्रिप-3) के तहत् 3 वर्षों से लंबित 9 बांधों के सुदृढ़ीकरण हेतु रु. 536 करोड़ के कार्य किये जाने हेतु सहमति प्रदान की गयी।

- कुनकुरी में जल संसाधन विभाग के एक नये अनुविभागीय कार्यालय (विद्युत/यांत्रिकी) की स्थापना किया गया जिससे क्षेत्र की लघु सिंचाई योजनाओं के संचालन एवं संधारण के कार्यों में सुविधा होगी।
- आदिवासी बहुल्य क्षेत्र में जशपुर जिले में सिंचाई संसाधनों के विभाग को गति देने के लिए माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा दिनांक 22.10.2024 को उदघाटन कर कुनकुरी में पृथक से कार्यपालन अभियंता कार्यालय प्रारंभ की गयी।
- विभाग के अन्तर्गत वर्षों से लंबित 115 सिंचाई योजनाओं जिसमें 76094 हेक्टेयर सिंचाई क्षमता निर्मित किया जाना शेष है, को पूरा करने अटल सिंचाई योजना के नाम से चरणबद्ध तरीके से पूर्ण किया जाना है।
- जिला जशपुर के मयाली बांध में दिनांक 22.10.2024 को माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक में मयाली बांध में विभिन्न पर्यटन एवं नौकायान की सुविधा को समर्पित किया।
- जिला धमतरी में दिनांक 05 एवं 06 अक्टूबर 2024 को जिला धमतरी के गंगरेल बांध में दो दिवसीय ''जल जगार महोत्सव'' कार्यक्रम का आयोजन कर जल संरक्षण एवं संवर्धन का महत्व पर प्रकाश डाला।
- जिला बेमेतरा को माननीय केन्द्रीय मंत्री जल शक्ति विभाग द्वारा जल परिवर्तन शीलता वैश्विक पुरस्कार 2024 जल निकायों का पुनरोद्धार के श्रेणी में प्राप्त हुआ।
- राजस्थान के उदयपुर में आयोजित द्वितीय अखिल भारतीय राज्य जल मंत्री सम्मेलन 2025 में छत्तीसगढ़ राज्यके जल संचयन के लिए जनभागीदरी के प्रयासों की सराहना हुई।

आगामी 3 वर्षों में संभावित कार्य योजना

जल संसाधन विभाग आने वाले समय में राज्य की बढ़ती हुई पेयजल एवं सिंचाई आवश्यकताओं के प्रति पूरी तरह सजग है। इसके दृष्टिगत नयी परियोजनाओं के सर्वेक्षण, रूपांकन तथा क्रियान्वयन के लिए प्रदाय जारी है। जिसमें अब तक व्यर्थ बह जाने वर्षा जल को, जल की कमी वाले क्षेत्रों में उपयोग किया जा सके, जिसके परिपालन में नदियों को आपस में जोड़ेने का कार्य राज्य की बेहतरी एवं समृद्धि के उद्देश्यों को पूरा किये जाने हेतु प्रस्तावित है।

वर्तमान सरकार के कार्यकाल की परियोजना मंडल की 33वीं बैठक में प्रदेश में **14 नई बड़ी सिंचाई योजनाओं** की सहमति दी गयी है तथा सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गई। जिससे प्रदेश की सिंचाई क्षमता बढ़ाने एवं भू-जल स्तर को सृदृढ़ होगी। इन परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश में 1,00,000 हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षमता में वृद्धि होगी।

उपरोक्त 14 परियोजनाएं निम्नानुसार हैं -

1. बस्तर जिला : देऊरगांव बैराज सह उद्वहन सिंचाई परियाजना
2. बस्तर जिला : मटनार बैराज सह उद्वहन सिंचाई परियोजना।
3. रायपुर जिला : महानदी पर मोहमेला सिरपुर बैराज योजना।
4. रायपुर जिला : कुम्हारी जलाशय जल क्षमता वृद्धि जलावर्धन योजना के अन्तर्गत समोदा बैराज से कुम्हारी जलाशय तक पाईप लाईन बिछाने का कार्य।

5. बिलासपुर जिला : अहिरन से गाजरीनाला जल संवर्धन निर्माण कार्य।
6. बिलासपुर जिला : छपराटोला फीडर जलाशय परियोजना।
7. बिलासपुर जिला : खारंग जलाशय योजना की बांयी तट नहर के आवर्धन के लिए पाराघाट व्यपवर्तन योजना से उद्वहन फीडर सिंचाई निर्माण कार्य।
8. दुर्ग जिला : सहगांव उद्वहन सिंचाई परियोजना।
9. खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिला : लमती फीडर जलाशय एवं नहरों का निर्माण कार्य।
10. राजनांदगांव जिला : मोहारा एनीकट में पेयजल हेतु चैकी एनीकट से मोहारा एनीकट तक पाईप लाईन द्वारा जल प्रदाय योजना।
11. जशपुर जिला : मैनी नदी में बगिया बैराज सह दाबयुक्त उद्वहन सिंचाई परियोजना।
12. जांजगीर-चांपा जिला : हसदेव बांगो परियोजना अन्तर्गत वृहद परियोजना आगमेन्टेशन के अन्तर्गत परसाही दाबयुक्त उद्वहन सिंचाई परियोजना।
13. कोरबा जिला : मड़वारानी बैराज निर्माण सह उद्वहन सिंचाई योजना।
14. गरियाबंद जिला : पैरी परियोजना सिकासार जलाशय से कोडार जलाशय लिंक नहर (पाईप लाईन) योजना

इसके अतिरिक्त बोधघाट बांध बहुदेद्शीय परियोजना का सर्वेक्षण कार्य एवं केवई-हसदेव नदी लिंक योजना का सर्वेक्षण कार्य, प्रगति पर है।

विभाग द्वारा निम्नलिखित नई नीतियां तैयार की जा रही हैं :-

- गाद प्रबंधन (Sediment Management)
- बांध परिसर में पर्यटन (Tourism Around Dam Site)
- विजन डाक्यूमेंट - जून 2014 में विभाग द्वारा 2017 तक किये जाने वाले कार्यों के लिए विजन दस्तावेज तैयार किया गया है। राज्य का जल विजन दस्तावेज क्षेत्रीय असंतुलन और अपेक्षाओं तथा वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों, जैसे समाजिक आर्थिक उत्थान वैश्विक पर्यावरण परिपेक्ष्य अन्य आकस्मिक परिदृश्य जैसे राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर केन्द्रीत हैं। इस ''जल विजन / 2047 आगे की राह'' दस्तावेज में जल प्रशासन, जलवायु लचिलापन और नदी स्वास्थ्य, जल भण्डारण और जल गुणवत्ता, जल उपयोग क्षमता और सिंचाई भागीदारी जैसे पहलु सम्मिलित हैं।

राज्य में वर्तमान जल भण्डारण 7900 MCM है जिसे वर्ष 2047 तक 16000 MCM तक बढ़ाने का लक्ष्य है तथा भू-जल के संकट ग्रस्त विकासखण्ड की संख्या शून्य करने का लक्ष्य भी शामिल है।

THANK YOU